AGRASEN CIVIL SERVICES ACADEMY

Where tradition meets innovation

ACSA

22 से 31 मार्च 2023

साप्ताहिक करेंट अफेयर्स

For

UPSC / RPSC EXAMS

and All Other Competitive

- यूबीएस
- आईएनएस सुजाता की मोजाम्बिक यात्रा
- संयुक्त राष्ट्र 2023 जल सम्मेलन
- पीएमएफबीवाई के तहत डिजीक्लेम मॉड्यूल
- गज उत्सव 2023 - प्रोजेक्ट एलीफैंट के 30 साल पूरे होने का जश्न
- अनुसंधान में ZSI की भूमिका
- वैदिक विरासत पोर्टल

A UNIT OF
AGRAWAL PG COLLEGE
Affiliated to University of Rajasthan | Managed by Shri Agrawal Shiksha Samiti
(A Co-Educational College)

+91-8824395504, +91-8290664069
www.acsajaipur.com
Agrasen Katla, Maharaja Agrasen Marg, Agra Road, Jaipur - 302003

Current Affairs from 22-03-23 to 31-03-2023

यूबीएस

यूबीएस, स्विट्जरलैंड का सबसे बड़ा बैंक, हाल ही में क्रेडिट सुइस को खरीदने के लिए सहमत हुआ, जिसका उद्देश्य इस महीने की शुरुआत में दो अमेरिकी बैंकों के पतन के बाद हुई घबराहट को रोकना था। इस अनूठे अधिग्रहण ने पूरे बैंकिंग उद्योग में एक झटका दिया है और दुनिया भर के निवेशकों और विश्लेषकों का ध्यान आकर्षित किया है। इस लेख में, हम यूबीएस के इतिहास में तल्लीन हैं और वैश्विक बैंकिंग क्षेत्र पर इस सौदे के प्रभाव का विश्लेषण करते हैं।

UBS की स्थापना 1998 में हुई थी जब स्विस बैंक कॉर्पोरेशन और यूनियन बैंक ऑफ़ स्विटज़रलैंड का आपस में विलय हो गया था। स्विस बैंक कॉर्पोरेशन की स्थापना 1854 में बेसल, स्विट्जरलैंड में छह निजी बैंकरों द्वारा बेसल बैंक कॉर्पोरेशन के रूप में की गई थी। यह ज्यूरिख बैंक कॉर्पोरेशन के साथ विलय हो गया और वाणिज्यिक बैंकिंग क्षेत्र में प्रवेश किया। 1897 में, बैंक ने अपना नाम बदलकर स्विस बैंक कॉर्पोरेशन कर लिया और स्विट्जरलैंड और विदेशों में कई अन्य बैंकों का अधिग्रहण कर लिया। विंटरथुर और टोगनबर्ग बैंक में बैंक के विलय के बाद 1912 में यूनियन बैंक ऑफ स्विट्जरलैंड खोला गया। स्विस बैंक कॉरपोरेशन की तरह इसने भी स्विट्जरलैंड में कई बैंकों का अधिग्रहण किया और देश के सबसे बड़े बैंकों में से एक बन गया।

यूबीएस टुडे

2022 की रिपोर्ट के अनुसार 63 अरब डॉलर के बाजार पूंजीकरण के साथ यूबीएस अब दुनिया के सबसे बड़े बैंकों में से एक है। अकेले स्विट्जरलैंड में इसकी लगभग 200 शाखाएँ और 4,600 ग्राहक सलाहकार हैं, और भारत सहित 50 अन्य देशों में अपनी सेवाएँ प्रदान करता है। यूबीएस निजी बैंकिंग, धन प्रबंधन, संपत्ति प्रबंधन और निजी, कॉर्पोरेट और संस्थागत ग्राहकों के लिए निवेश बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए जाना जाता है।

अधिग्रहण का प्रभाव

यूबीएस द्वारा क्रेडिट सुइस के अधिग्रहण ने बैंकिंग उद्योग में एक बड़ा प्रभाव डाला। स्विस सरकार और नियामकों ने सौदे में मध्यस्थता की, जिसमें UBS ने क्रेडिट सुइस को लगभग 3.2 बिलियन डॉलर का भुगतान किया और स्विस सेंट्रल बैंक ने दोनों बैंकों को 108 बिलियन डॉलर की तरलता सहायता प्रदान की। स्विस सरकार क्रेडिट सुइस का अधिग्रहण करके UBS को होने वाले कुछ नुकसानों को रोकने के लिए $9 बिलियन से अधिक प्रदान करने पर भी सहमत हुई। जबकि इस सौदे का उद्देश्य वैश्विक वित्तीय बाजार में घबराहट को रोकना है, वैश्विक बैंकिंग क्षेत्र पर इस अधिग्रहण का असर अभी देखा जाना बाकी है।

विश्व डाउन सिंड्रोम दिवस

डाउन सिंड्रोम के बारे में जागरूकता बढ़ाने, डाउन सिंड्रोम वाले लोगों के अधिकारों की वकालत करने और उनके समावेश और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए हर साल 21 मार्च को विश्व डाउन सिंड्रोम दिवस (WDSD) मनाया जाता है। यह दिन महत्वपूर्ण है क्योंकि यह डाउन सिंड्रोम वाले व्यक्तियों की विशिष्टता को चिह्नित करता है और विविधता को गले लगाने के लिए समाज की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।

डाउन सिंड्रोम क्या है?

डाउन सिंड्रोम एक आनुवंशिक स्थिति है जो तब होती है जब 21वें गुणसूत्र की एक अतिरिक्त प्रति होती है, जिसके परिणामस्वरूप शारीरिक और बौद्धिक अक्षमता होती है। डाउन सिंड्रोम वाले लोगों के चेहरे की एक अलग उपस्थिति हो सकती है और वे कई स्वास्थ्य जटिलताओं से ग्रस्त हैं, जिनमें हृदय दोष, सुनने और दृष्टि की समस्याएं और थायरॉयड की स्थिति शामिल हैं। हालांकि, उचित देखभाल और समर्थन के साथ, डाउन सिंड्रोम वाले लोग खुश और पूर्ण जीवन जी सकते हैं।

Mobile No.- 8824395504, 8290664069
Mail ID-acsajaipur@gmail.com

विश्व डाउन सिंड्रोम दिवस का इतिहास

WDSD पहली बार 21 मार्च, 2006 को मनाया गया था, और बाद में 2011 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा मान्यता प्राप्त हुई। यह दिन डाउन सिंड्रोम के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इस स्थिति वाले लोगों की भलाई को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।

विश्व डाउन सिंड्रोम दिवस का महत्व

डब्ल्यूएसडीडी डाउन सिंड्रोम वाले लोगों को शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य देखभाल और सामाजिक समावेश का अधिकार प्रदान करने के महत्व को उजागर करने और समाज में उनके बहुमूल्य योगदान पर जोर देने का अवसर प्रदान करता है। यह विविधता का उत्सव है और डाउन सिंड्रोम से जुड़ी बाधाओं और कलंक को तोड़ने का अवसर है।

डाउन सिंड्रोम के लिए हेल्थकेयर

डाउन सिंड्रोम वाले लोगों को एक अलग स्वास्थ्य देखभाल दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है, जो शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों की संभावना को देखते हुए उत्पन्न हो सकती है। इन स्थितियों के प्रबंधन और आगे की जटिलताओं को रोकने के लिए नियमित चिकित्सा जांच महत्वपूर्ण हैं। डाउन सिंड्रोम वाले लोगों की अनूठी जरूरतों को पूरा करने के लिए व्यावसायिक चिकित्सा, भाषण चिकित्सा और परामर्श भी फायदेमंद हो सकते हैं।

विश्व डाउन सिंड्रोम दिवस 2023 की थीम

WDSD 2023 की थीम "हमारे साथ नहीं हमारे लिए" है। यह विषय डाउन सिंड्रोम वाले लोगों को निर्णय लेने और उनके जीवन को प्रभावित करने वाली नियोजन प्रक्रियाओं में शामिल करने के महत्व पर प्रकाश डालता है। यह डाउन सिंड्रोम वाले व्यक्तियों को बोलने, सुनने और अपने भविष्य को आकार देने में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

आईएनएस सुजाता की मोजाम्बिक यात्रा

आईएनएस सुजाता, भारतीय नौसेना का एक सुकन्या वर्ग का गश्ती पोत है, जो कोच्चि में दक्षिणी नौसेना कमान में स्थित है, जिसने हाल ही में 19 से 21 मार्च 2023 तक अपनी विदेशी तैनाती के एक हिस्से के रूप में पोर्ट मापुटो, मोज़ाम्बिक का दौरा किया। यात्रा का उद्देश्य सुधार करना है। दोनों नौसेनाओं के बीच द्विपक्षीय संबंध और आपसी सहयोग।

अपनी यात्रा के दौरान, आईएनएस सुजाता के कमांडिंग ऑफिसर ने कई सैन्य और नागरिक गणमान्य लोगों से मुलाकात की, जिनमें मोज़ाम्बिकन नौसेना के कमांडर रियर एडमिरल यूजेनियो डायस दा सिल्वा मुआतुका और मापुटो के मेयर श्री एनीस दा कोन्सिकाओ कॉमिचे शामिल थे। इन बैठकों के दौरान भारत के उच्चायुक्त और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

क्रॉस-डेक प्रशिक्षण और अन्य गतिविधियां

यात्रा के हिस्से के रूप में, मोजाम्बिक नौसेना के लगभग 40 कर्मियों ने क्रॉस डेक प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए आईएनएस सुजाता का दौरा किया। इस प्रशिक्षण मॉड्यूल में प्रशिक्षण सुविधाओं का वाकअराउंड, गोताखोरी संचालन पर ब्रीफिंग, वीबीएसएस और हल्के हथियारों पर प्रशिक्षण, दृश्य संचार, और जहाज पर मशीनरी और स्वच्छता का रखरखाव शामिल था। इसके अलावा, दोनों नौसेनाओं के कर्मियों के बीच एक संयुक्त सुबह योग सत्र और सॉकर मैच सहित कई अन्य गतिविधियों का आयोजन किया गया। आईएनएस सुजाता पर एक स्वागत समारोह भी आयोजित किया गया, जिसमें कई भारतीय और मोजाम्बिक गणमान्य व्यक्तियों और राजनयिकों ने भाग लिया।

आपसी सहयोग और द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाना

आईएनएस सुजाता की पोर्ट मापुटो, मोज़ाम्बिक की यात्रा ने दोनों नौसेनाओं के बीच आपसी सहयोग और द्विपक्षीय संबंधों को और बढ़ाया। इस तरह के दौरे न केवल ज्ञान, कौशल और विशेषज्ञता के आदान-प्रदान के अवसर प्रदान करते हैं बल्कि राजनयिक संबंधों को

मजबूत करने और दोनों देशों के बीच मजबूत संबंध बनाने में भी मदद करते हैं। आईएनएस सुजाता की यात्रा इस क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के साथ-साथ अन्य देशों के साथ मित्रता और सहयोग को बढ़ावा देने की भारत की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालती है।

संयुक्त राष्ट्र 2023 जल सम्मेलन

संयुक्त राष्ट्र 2023 जल सम्मेलन न्यूयॉर्क में 22 से 24 मार्च तक आयोजित किया जा रहा है, जो 50 वर्षों में पानी पर पहला शिखर सम्मेलन है। सम्मेलन सदस्य देशों, संयुक्त राष्ट्र प्रणाली और हितधारकों को समान रूप से कार्रवाई करने और वैश्विक स्तर पर सफल समाधान लाने के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण होगा।

पानी के लिए पेरिस पल

सम्मेलन पानी के लिए एक 'पेरिस क्षण' हो सकता है, जैसा कि सह-मेज़बान देशों, ताजिकिस्तान और नीदरलैंड के पानी के लिए विशेष दूतों द्वारा वर्णित है। सम्मेलन पानी पर अधिक ध्यान केंद्रित करना चाहता है, जो स्वास्थ्य, भोजन, लिंग समानता, शिक्षा, आजीविका, उद्योग, जलवायु और पर्यावरण सहित 17 सतत विकास लक्ष्यों में से कई के लिए एक महत्वपूर्ण आधार है।

वैश्विक जल संकट

विश्व मौसम विज्ञान संगठन के अनुसार, लगभग 3.6 अरब लोग हर साल कम से कम एक महीने के लिए अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त पानी पाने के लिए संघर्ष करते हैं। सुरक्षित पानी और स्वच्छता एक मानव अधिकार होने के बावजूद, अरबों लोगों को जीवन के लिए इन आवश्यक चीजों तक पहुंच नहीं है, जैसा कि संयुक्त राष्ट्र ने कहा है।

संयुक्त राष्ट्र 2023 जल सम्मेलन का महत्व

संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य 6 के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र 2023 जल सम्मेलन सभी के लिए पानी और स्वच्छता के सतत प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम हो सकता है। वैश्विक जल संकट के बारे में जागरूकता और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहमत जल संबंधी लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कार्रवाई पर निर्णय लेना।

द वाटर एक्शन एजेंडा

सम्मेलन में जल कार्रवाई एजेंडा अपनाने की उम्मीद है, जो वैश्विक जल संबंधी लक्ष्यों और लक्ष्यों को पूरा करने के लिए देशों और हितधारकों की स्वैच्छिक प्रतिबद्धताओं का प्रतिनिधित्व करता है। वाटर एक्शन एजेंडा उन पांच विषयों के साथ संरेखित करता है जो एसडीजी 6 ग्लोबल एक्सेलेरेशन फ्रेमवर्क का समर्थन करते हैं, जिसमें स्वास्थ्य के लिए पानी, सतत विकास के लिए पानी, जलवायु के लिए पानी, लचीलापन और पर्यावरण, सहयोग के लिए पानी और जल कार्रवाई दशक शामिल हैं।

पानी की बढ़ती मांग

दुनिया की बढ़ती आबादी, आर्थिक विकास और बदलते खपत पैटर्न के साथ मिलकर, इसका मतलब है कि जल संसाधनों की मांग 50 साल पहले की तुलना में कहीं अधिक है। विश्व आर्थिक मंच की वैश्विक जोखिम रिपोर्ट 2023 में कहा गया है कि देशों के बीच मांग में नाटकीय और असमान वृद्धि के साथ, 2030 तक पानी की मांग और आपूर्ति के बीच का अंतर 40% होने का अनुमान है।

नेमेटेलोट्रिस लैवंडुला क्या है?

Mobile No.- 8824395504, 8290664069
Mail ID-acsajaipur@gmail.com

ऑस्ट्रेलियाई संग्रहालय अनुसंधान संस्थान, सिडनी विश्वविद्यालय और उत्तरी क्षेत्र के संग्रहालय और आर्ट गैलरी के वैज्ञानिकों ने जीनस नेमेटेलोट्रिस की एक नई प्रजाति की पहचान की है। पश्चिमी और मध्य प्रशांत महासागर में लैवेंडर-ब्लश डार्टफ़िश, या नेमेटेलोट्रिस लैवेनड्युला की खोज की गई थी।

Nemateleotris बोनी मछली परिवार Gobiidae से संबंधित है, जिसमें डार्टफ़िश शामिल है। डार्टफ़िश छोटी, चमकीले रंग की, लम्बी और मध्यम रूप से संकुचित मछलियाँ हैं। वे अपने लम्बी पन्ना-जैसे पहले पृष्ठीय पंख के लिए जाने जाते हैं, जो वे बार-बार आगे-पीछे झटकते हैं, अक्सर उनके पैल्विक पंखों के साथ तालमेल बिठाते हैं।

डार्टफिशआम तौर पर प्रवाल भित्तियों के पास या उन क्षेत्रों में सब्सट्रेट के करीब मँडराते हुए पाए जाते हैं जिनमें रेत चैनल और ढीले प्रवाल मलबे होते हैं। वे आम तौर पर लंबाई में 7 सेमी (2.8 इंच) से अधिक नहीं मापते हैं और मुख्य रूप से प्लवक और अन्य छोटे अकशेरूकीय पर भोजन करते हैं जिन्हें वे पानी के स्तंभ से बाहर निकालते हैं।

नेमेटेलोट्रिस में वर्तमान में भारतीय और प्रशांत महासागरों के मूल निवासी पांच मान्यता प्राप्त प्रजातियां शामिल हैं। लैवेंडर-ब्लश डार्टफ़िश, नेमाटेलियोट्रिस लैवेंडुला, इस जीनस का सबसे नया जोड़ है। प्रजातियों को पहले हेलफ्रिच के डार्टफिश, नेमाटेलियोट्रिस हेल्फ्रिची के लिए गलत माना गया था। आणविक विश्लेषण ने दोनों प्रजातियों के बीच अनुक्रम डेटा में 1% का अंतर प्रकट किया, साथ ही मॉर्फोमेट्रिक माप, लाइव और संरक्षित रंग विवरण में अंतर के अलावा।

Nemateleotris lavandula आकार में छोटा है, जिसकी लंबाई केवल 5 सेमी (2 इंच) है। प्रजातियों में बकाइन शरीर के लिए एक लैवेंडर होता है जो दुम के डंठल की ओर तेजी से पीला हो जाता है। यह दक्षिणी जापान में याकुशिमा द्वीप, कैरोलीन द्वीप समूह, मार्शल द्वीप और मारियाना द्वीप सहित पश्चिमी और मध्य प्रशांत महासागर के अधिकांश हिस्सों में फैला हुआ है।

लैवेंडर-ब्लश डार्टफ़िश आमतौर पर 25-100 मीटर (82-328 फीट) के बीच की गहराई पर समुद्री रेत के चैनलों और प्रवाल भित्तियों से सटे मलबे के ढेर में पाई जाती है। यह आमतौर पर एकल या युग्मित व्यक्तियों के रूप में देखा जाता है, कभी-कभी छोटे समूहों में किशोरों के साथ, अक्सर अन्य प्लैंकटन फीडरों के साथ मिश्रित होते हैं।

कोबरा

भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के मिराज-2000 विमान पिछले तीन हफ्तों से यूनाइटेड किंगडम में अभ्यास कोबरा वारियर में भाग ले रहे हैं। यह संयुक्त प्रशिक्षण अभ्यास छह अन्य वायु सेनाओं के साथ हो रहा है, जिनमें यूनाइटेड किंगडम, फ़िनलैंड, स्वीडन, दक्षिण अफ्रीका, सऊदी अरब, संयुक्त राज्य अमेरिका और सिंगापुर शामिल हैं। इस अभ्यास में उच्च तीव्रता, बड़ी ताकत और सामरिक वायु युद्ध लड़ने के संचालन शामिल हैं। फरवरी 2019 में बालाकोट हवाई हमले में भाग लेने वाले सहित तीनों मौजूदा स्क्वाड्रन से मिराज -2000 तैयार किए गए थे।

चुनौतियां और सबक सीखा

जी.पी. ग्वालियर स्थित 7 मिराज स्क्वाड्रन 'बैटल एक्सिस' के सीओ और भारतीय वायुसेना के व्यायाम निदेशक कैप्टन प्रणव राज ने कहा कि टीम ने मौसम सहित कई चुनौतियों का सामना किया है, जो ग्वालियर या मध्य भारत से काफी अलग है। 80% से ज्यादा टीम ने पहली बार स्नोफॉल देखा है। इन चुनौतियों के बावजूद, रखरखाव टीम ने सभी पांच विमानों को मिशन के लिए उपलब्ध रखने का उत्कृष्ट काम किया है। यह अभ्यास एक महान सीखने का अनुभव रहा है, क्योंकि IAF ने F-18s और F-16s के साथ उड़ान भरी है और आक्रामक और रक्षात्मक काउंटर मिशन सहित हवाई संचालन के पूरे स्पेक्ट्रम में भाग लिया है।

भाग लेने वाले देश

फ़िनलैंड, भारत और सऊदी अरब पहली बार एक्सरसाइज कोबरा वारियर में शामिल हुए। प्रारंभिक योजना स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (LCA) तेजस लाने की थी, लेकिन वे दूसरे अभ्यास में व्यस्त थे, इसलिए मिराज-2000 तैनात किए गए। सऊदी अरब की वायु

सेना ने आरएएफ कॉन्सिंगबी बेस से छह यूरोफाइटर टाइफून उड़ाए, जबकि भारतीय टीम, फिनिश टीम और बेल्जियम वायु सेना ने वाडिंगटन एयरबेस से क्रमशः छह एफ/ए-18 सुपर हॉर्नेट और छह एफ-16 उड़ाए।

व्यायाम कोबरा योद्धा वर्ष में दो बार आयोजित किया जाता है और यह रॉयल एयर फोर्स द्वारा आयोजित सबसे बड़ा हवाई अभ्यास है। इस संस्करण में लगभग 70 विमानों ने भाग लिया और आरएएफ वाडिंगटन एयरबेस में कर्मचारियों द्वारा निर्देशित किया गया। अभ्यास में भाग लेने वाले देशों को एक दूसरे के साथ और यूनाइटेड किंगडम के साथ काम करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। अभ्यास में लड़ाकू विमानों को आरएएफ ब्रीज नॉर्टन से उड़ान भरने वाले आरएएफ वायेजर मिड-एयर रिफ्यूलिंग एयरक्राफ्ट द्वारा समर्थित किया गया था, और आरएएफ की एयर मोबिलिटी फोर्स ने भी अभ्यास में भाग लिया था।

विश्व क्षय रोग दिवस 2023

तपेदिक (टीबी) की वैश्विक महामारी और इसे खत्म करने के लिए किए गए प्रयासों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल 24 मार्च को विश्व क्षय रोग दिवस मनाया जाता है। यह टीबी के खिलाफ लड़ाई में स्वास्थ्य पेशेवरों, शोधकर्ताओं, नीति निर्माताओं और अधिवक्ताओं को मान्यता प्रदान करता है। इस लेख में, हम विश्व तपेदिक दिवस के इतिहास और महत्व, 2023 की थीम और टीबी के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में भारत के योगदान पर चर्चा करेंगे।

विश्व तपेदिक दिवस उस दिन को याद करता है जब डॉ. रॉबर्ट कोच ने 1882 में तपेदिक पैदा करने वाले बैक्टीरिया की खोज की थी। सीडीसी का अनुमान है कि टीबी तीन मिलियन से अधिक वर्षों से अस्तित्व में है, और जहां यह पाया गया था, उसके आधार पर पूरे इतिहास में इसके कई नाम हैं। विश्व टीबी दिवस 2023 की थीम है "हां! हम टीबी को समाप्त कर सकते हैं!" और टीबी उन्मूलन में बढ़ी हुई फंडिंग, त्वरित कार्रवाई, बहुक्षेत्रीय सहयोग, नए डब्ल्यूएचओ दिशानिर्देशों को तेजी से अपनाने और अभिनव अपनाने के महत्व को उजागर करना है।

वन वर्ल्ड टीबी समिट

विश्व टीबी दिवस 2023 के दौरान आयोजित 'वन वर्ल्ड टीबी समिट' के दौरान, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की "वसुधैव कुटुम्बकम" की विचारधारा पर प्रकाश डाला, जिसका अर्थ है एक दुनिया, एक परिवार और यह दर्शन दुनिया को कैसे प्रदान कर रहा है। व्यापक समाधान। भारत ने इन्हीं मान्यताओं के आधार पर अपनी जी20 अध्यक्षता के दौरान 'एक परिवार, एक विश्व, एक भविष्य' की थीम चुनी है।

मोदी ने 2030 के वैश्विक लक्ष्य से पांच साल पहले 2025 तक टीबी को खत्म करने के भारत के संकल्प का भी उल्लेख किया। उन्होंने सार्वजनिक भागीदारी, पोषण के लिए विशेष अभियान, नई उपचार रणनीतियों, प्रौद्योगिकी के गहन उपयोग और खेलो जैसे अभियानों के माध्यम से अच्छे स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए भारत के प्रयासों पर प्रकाश डाला। भारत और योग। मोदी ने आगे 'निक्षय मित्र' अभियान का उल्लेख किया, जो लोगों से टीबी मुक्त भारत के अभियान में शामिल होने का आग्रह करता है, और 10 लाख से अधिक टीबी रोगियों को नागरिकों द्वारा अपनाया गया है। 10-12 साल के भारतीय बच्चे भी निक्षय मित्र बनकर टीबी के खिलाफ लड़ाई को आगे बढ़ा रहे हैं। 2018 से लगभग 2,000 करोड़ रुपये सीधे तपेदिक रोगियों के बैंक खातों में भेजे गए हैं, और लगभग 75 लाख रोगी इससे लाभान्वित हुए हैं।

ट्रिपल थ्रेट रिपोर्ट

19 मार्च, 2023 को यूनिसेफ द्वारा जारी एक नई रिपोर्ट, दुनिया के सबसे अधिक प्रभावित देशों में पानी की असुरक्षा को बढ़ावा देने वाले एक प्रमुख कारक पर प्रकाश डालती है। "ट्रिपल थ्रेट" शीर्षक वाली रिपोर्ट से पता चलता है कि एक तिहाई विकासशील देशों में पानी, स्वच्छता और स्वच्छता (WASH) से संबंधित कार्यक्रमों, परियोजनाओं और नीतियों की निगरानी की कमी समस्या का कारण बन रही है। निगरानी की यह कमी शमन को और अधिक चुनौतीपूर्ण बना देती है, और यह 10 अफ्रीकी देशों को प्रभावित कर रहा है जहां

बच्चे पानी से संबंधित तीन खतरों के अभिसरण से सबसे अधिक प्रभावित होते हैं: अपर्याप्त पानी, स्वच्छता और स्वच्छता, संबंधित रोग और जलवायु संबंधी खतरे।

अपर्याप्त WASH, संबंधित बीमारियों और जलवायु संबंधी खतरों के तिहरे बोझ का सामना करने वाले 10 अफ्रीकी देश बेनिन, बुर्किना फासो, कैमरून, चाड, कोटे डी आइवर, गिनी, माली, नाइजर, नाइजीरिया और सोमालिया हैं। यूनिसेफ द्वारा बच्चों के जलवायु जोखिम सूचकांक 2021 के अनुसार, इन देशों में 190 मिलियन बच्चों की संयुक्त आबादी है और ये दुनिया के सबसे अधिक जल-असुरक्षित और जलवायु-प्रभावित देश हैं। वे जलवायु और पर्यावरणीय खतरों, झटकों और तनावों के संपर्क के मामले में विकासशील देशों के शीर्ष 25% में हैं।

विकासशील देशों में वॉश सुविधाओं तक अपर्याप्त पहुंच

वैश्विक स्तर पर, कम से कम बुनियादी पेयजल तक पहुंच वाले परिवारों का प्रतिशत 2000 में 82% से बढ़कर 2020 में 90% हो गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) / यूनिसेफ संयुक्त निगरानी कार्यक्रम। इन वैश्विक सुधारों के बावजूद, दुनिया भर में असुरक्षित पानी, स्वच्छता और स्वच्छता प्रथाओं के कारण हर साल पांच साल से कम उम्र के लगभग चार मिलियन बच्चे मर जाते हैं। चाड, विशेष रूप से, बुनियादी वॉश सुविधाओं तक पहुंच का सबसे कम प्रतिशत है और असुरक्षित वॉश के कारण पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु का विश्व में सबसे अधिक बोझ है।

सतत विकास लक्ष्यों (SDG) को प्राप्त करने में धीमी प्रगति

2030 के लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए, पिछले दशक (2020 तक) में की गई प्रगति धीमी है, क्योंकि विश्व स्तर पर 600 मिलियन बच्चे अभी भी असुरक्षित पानी और स्वच्छता तक पहुंच या बिल्कुल भी पहुंच नहीं होने से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा और मानवाधिकार परिषद ने 2010 में बाध्यकारी अंतरराष्ट्रीय कानून के हिस्से के रूप में सुरक्षित पेयजल और स्वच्छता के मानव अधिकार को मान्यता दी। हालांकि, रिपोर्ट में कहा गया है कि खराब WASH, संबंधित बीमारी और जलवायु खतरों से सबसे ज्यादा प्रभावित देश हैं 2030 तक बुनियादी WASH सेवाओं तक सार्वभौमिक पहुंच के संयुक्त राष्ट्र-अनिवार्य सतत विकास लक्ष्यों (SDG) को पूरा करने के लिए ट्रैक पर नहीं।

विकासशील देशों में अपर्याप्त वॉश फंडिंग

2022 में, संयुक्त राष्ट्र-जलस्वच्छता और पेयजल के वैश्विक विश्लेषण और आकलन में पाया गया कि 75% देशों के पास अपर्याप्त WASH फंडिंग है। वैश्विक जलवायु वित्तपोषण सहित इस क्षेत्र में तेजी से निवेश बढ़ाने की आवश्यकता है, जो वर्तमान में विकासशील देशों में $114 बिलियन प्रति वर्ष होने का अनुमान है। यदि ये 10 अफ्रीकी देश पटरी पर नहीं हैं, तो ग्लोबल साउथ पानी और स्वच्छता के एसडीजी 6 को पूरा नहीं कर पाएगा, जिसके परिणामस्वरूप स्वास्थ्य लागत में भारी निवेश होगा।

अभ्यास वायु प्रहार - एलएसी पर एक बहु-डोमेन अभ्यास

वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) पर भारत और चीन के बीच चल रहे गतिरोध के बीच, भारतीय सेना और वायु सेना ने किस राज्य में 'वायु प्रहार' नामक 96 घंटे का बहु-डोमेन वायु और भूमि अभ्यास किया है? पूर्वी क्षेत्र। यह अभ्यास मार्च के दूसरे सप्ताह में योजना तैयार करने के मुख्य उद्देश्य के साथ आयोजित किया गया था जिससे बहु-डोमेन संचालन में तालमेल हो सके।

मल्टी-डोमेन ऑपरेशंस क्या हैं?

अभिसरण परिणाम प्राप्त करने के लिए सेना की विभिन्न शाखाओं में गतिविधियों का समन्वय करने के लिए बहु-डोमेन संचालन का उपयोग किया जाता है। अनिवार्य रूप से, यह सुनिश्चित करने के लिए एक तंत्र है कि सशस्त्र बलों की सभी शाखाएँ एक समान लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निर्बाध रूप से एक साथ काम करती हैं।

वायु प्रहार व्यायाम

वायु प्रहार अभ्यास का मुख्य उद्देश्य विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय और पूर्वाभ्यास को एक थिएटर के भीतर त्वरित गतिशीलता, परिवहन और बलों की तैनाती के लिए सक्षम बनाना था, जिसे थिएटरों में निष्पादित किया जा सकता है। संयुक्त अभ्यास के दायरे में हिंटरलैंड से एक तीव्र प्रतिक्रिया बल का तेजी से जमावड़ा शामिल था, जिसे तब नामांकित अग्रिम लैंडिंग ग्राउंड (एएलजी) में हवाई-भूमि संचालन का काम सौंपा गया था।

एडवांस लैंडिंग ग्राउंड (एएलजी)

एक एएलजी आमतौर पर एक विमान के लिए एक एकल लैंडिंग पट्टी होती है, जो भारत में मुख्य रूप से सैन्य बलों द्वारा संचालित होती है। एएलजी पर उतरने के बाद, रैपिड एक्शन फोर्स चुनौतीपूर्ण उच्च ऊंचाई वाले इलाके में "आकस्मिक कार्यों" को पूरा करने के लिए जिम्मेदार थी।

अभ्यास का स्थान

हालांकि अभ्यास का सटीक स्थान और एएलजी अज्ञात है, अरुणाचल प्रदेश राज्य में सात से आठ एएलजी हैं, जो चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पूर्वी क्षेत्र में स्थित है। दिसंबर 2022 में, अरुणाचल के तवांग जिले के यांग्त्से क्षेत्र में चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के 200 से अधिक सैनिकों की भारतीय सैनिकों से झड़प हो गई थी। पूर्वी क्षेत्र के पास पिछले कुछ वर्षों में चीनी घुसपैठ और निर्माण गतिविधि की बढ़ती खबरों के बीच यह झड़प हुई।

भारत-चीन गतिरोध

पूर्वी लद्दाख में एलएसी के पश्चिमी क्षेत्र में भारत और चीन के बीच गतिरोध अब अपने तीसरे वर्ष में है। कॉर्प्स कमांडर स्तर की 17 दौर की बातचीत के बाद देपसांग मैदानों को लेकर गतिरोध जारी है। इस महीने के अंत में आगे की बातचीत का इंतजार है।

वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट 2023

संयुक्त राष्ट्र सतत विकास समाधान नेटवर्क द्वारा प्रकाशित वार्षिक वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट अभी-अभी जारी की गई है, और इससे पता चलता है कि फ़िनलैंड लगातार छठे वर्ष दुनिया का सबसे खुशहाल देश बना हुआ है। रिपोर्ट गैलप वर्ल्ड पोल में मुख्य जीवन मूल्यांकन प्रश्न के डेटा पर आधारित है, जो मापता है कि नागरिक खुद को कितना खुश महसूस करते हैं।

वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट में शीर्ष 10 देश

रिपोर्ट में शीर्ष 10 सबसे खुशहाल देशों को स्थान दिया गया है, जिसमें फिनलैंड सबसे आगे है, उसके बाद डेनमार्क, आइसलैंड, इज़राइल और नीदरलैंड हैं। स्वीडन, नॉर्वे, स्विटज़रलैंड और लक्ज़मबर्ग जैसे अन्य यूरोपीय देशों ने भी शीर्ष 10 में जगह बनाई। शीर्ष 10 में जगह बनाने वाला न्यूज़ीलैंड एकमात्र गैर-यूरोपीय देश था। रैंकिंग सामाजिक समर्थन जैसे कारकों की एक श्रृंखला पर आधारित है, जीवन प्रत्याशा, जीवन विकल्प बनाने की स्वतंत्रता, उदारता और भ्रष्टाचार की धारणा।

वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट में भारत का स्थान

वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट में भारत की स्थिति 136 से सुधर कर 126 हो गई है, हालांकि यह अभी भी नेपाल, चीन और बांग्लादेश जैसे अपने पड़ोसी देशों से पीछे है। दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था होने के बावजूद, रिपोर्ट में भारत की रैंकिंग लगातार कम रही है, जिससे कुछ लोग सवाल उठा रहे हैं कि इसे उथल-पुथल वाले देशों की तुलना में कैसे कम किया जा सकता है।

वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट में रूस और यूक्रेन

Mobile No.- 8824395504, 8290664069
Mail ID-acsajaipur@gmail.com

रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष के बावजूद, दोनों देश वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट में भारत से ऊपर हैं, रूस 70वें स्थान पर और यूक्रेन 92वें स्थान पर है। रिपोर्ट बताती है कि दोनों देशों ने 2020 और 2021 में दयालुता के स्तर में वृद्धि का अनुभव किया, लेकिन 2022 में, यूक्रेन ने परोपकार में तेजी से वृद्धि देखी, जबकि रूस में इसमें गिरावट आई।

दुनिया के सबसे कम खुश देश

वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट में सबसे कम खुशहाल देशों पर भी प्रकाश डाला गया है, जिसमें सर्वेक्षण किए गए 137 देशों में से सबसे नाखुश देश के रूप में अफगानिस्तान रैंकिंग है। रिपोर्ट में लेबनान, जिम्बाब्वे और कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य जैसे अन्य देशों को भी सबसे ज्यादा दुखी देशों में शामिल किया गया है, जो मुख्य रूप से भ्रष्टाचार के उच्च स्तर और कम जीवन प्रत्याशा जैसे कारकों के कारण हैं।

वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट के बारे में

वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट घरेलू और वैश्विक दोनों कारकों सहित विभिन्न मानदंडों के आधार पर दुनिया भर में खुशी के स्तर का व्यापक विश्लेषण है। रिपोर्ट लोगों के वर्तमान जीवन संतुष्टि स्तरों के बारे में राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधि नमूने के फीडबैक के आधार पर खुशी का अनुमान लगाती है। पहली रिपोर्ट 2012 में प्रकाशित हुई थी और तब से सालाना जारी की जाती है, आमतौर पर मार्च में।

पीएमएफबीवाई के तहत डिजीक्लेम मॉड्यूल

24 मार्च, 2023 को केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने नई दिल्ली, भारत में राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल के डिजीटल दावा निपटान मॉड्यूल 'डिजीक्लेम' का शुभारंभ किया। मॉड्यूल प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के दायरे में आता है, और दावों को इलेक्ट्रॉनिक रूप से वितरित करेगा, जिससे छह राज्यों के किसानों को लाभ होगा। यह लॉन्च यह सुनिश्चित करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है कि किसान समयबद्ध और स्वचालित तरीके से डिजिटल रूप से दावा राशि प्राप्त कर सकते हैं, जिससे वे आत्मनिर्भर और सशक्त बनेंगे।

डिजीक्लेम मॉड्यूल का शुभारंभ और लाभ

लॉन्च के मौके पर, केंद्रीय मंत्री तोमर ने बताया कि डिजीक्लेम मॉड्यूल के साथ, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड और हरियाणा में बीमाकृत किसानों को 23 मार्च, 2023 को कुल 1260.35 करोड़ रुपये के बीमा दावों का वितरण किया गया है। एक बटन का। दावे जारी होने पर यह प्रक्रिया जारी रहेगी। इस लॉन्च के साथ, सभी बीमित किसानों के जीवन को आसान बनाने और उन्हें एक स्थायी वित्तीय प्रवाह और सहायता प्रदान करने के लिए स्वचालित दावा निपटान प्रक्रिया एक सतत गतिविधि होगी।

डिजिक्लेम मॉड्यूल के महत्वपूर्ण लाभों में से एक यह है कि किसानों के दावों को सीधे उनके संबंधित बैंक खातों में पारदर्शी और जवाबदेह तरीके से संसाधित किया जाएगा। प्रौद्योगिकी को राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल (NCIP) और सार्वजनिक वित्त प्रबंधन प्रणाली (PFMS) के एकीकरण के माध्यम से सक्षम किया गया है। यह सीधे दावा उत्क्रमण अनुपात को प्रभावित करेगा, जिसके DigiClaim के साथ नीचे जाने की उम्मीद है। इस डिजिटल प्रगति की एक और उल्लेखनीय विशेषता यह है कि किसान वास्तविक समय में अपने मोबाइल फोन पर दावा निपटान प्रक्रिया को ट्रैक कर सकेंगे और योजना का लाभ उठा सकेंगे।

पीएमएफबीवाई में फिर से शामिल होना: सहकारी संघवाद का एक चमकदार उदाहरण

वर्तमान में, केंद्र सरकार योजना से बाहर हुए सभी राज्यों के साथ मिलकर काम कर रही है और उनके वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा की है। आंध्र प्रदेश और पंजाब इस योजना में वापसी कर रहे हैं, जो सहकारी संघवाद का एक चमकदार उदाहरण दिखाता है। पीएमएफबीवाई में फिर से शामिल होने के लिए तेलंगाना, गुजरात, बिहार, पश्चिम बंगाल और झारखंड की सरकारों से भी संपर्क किया गया है और कई चर्चाएं चल रही हैं।

चिनाब ब्रिज - दुनिया का सबसे ऊंचा रेल ब्रिज

भारतीय रेलवे हिमालय के चुनौतीपूर्ण इलाके में दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल का निर्माण कर रहा है, जिसके आने वाले महीनों में पूरा होने की उम्मीद है। चिनाब ब्रिज, एक इंजीनियरिंग चमत्कार, रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला (USBRL) रेलवे लिंक का एक हिस्सा है जो जम्मू और कश्मीर को शेष भारत से जोड़ेगा।

चेनाब ब्रिज पेरिस के एफिल टॉवर से 35 मीटर ऊंचा है, जो इसे दुनिया का सबसे ऊंचा रेल ब्रिज बनाता है। 1.3 किमी लंबे इस पुल की डिजाइन स्पीड ट्रेनों के लिए 100 किमी प्रति घंटे और 120 साल की उम्र है।

पुल का समापन और उपयोग

USBRL परियोजना के दिसंबर 2023 या जनवरी 2024 तक पूरा होने की उम्मीद है। वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन चिनाब पुल पर चलेगी, और वंदे भारत ट्रेनों के रखरखाव की सुविधा बडगाम में स्थापित की जाएगी। छोटी दूरी की अंतर-शहर यात्रा के लिए विकसित नई वंदे मेट्रो जम्मू और श्रीनगर के बीच भी चलेगी।

पुल का महत्व

कटरा से बनिहाल तक का 111 किमी का हिस्सा आवश्यक है, और 1.3 किमी लंबा चिनाब पुल इस खंड का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। एक बार पूरा हो जाने पर, संपूर्ण USBRL रेलवे परियोजना सभी मौसम में कनेक्टिविटी प्रदान करेगी और जम्मू और कश्मीर को शेष भारत से जोड़ेगी।

परियोजना की विशेषज्ञता और लागत

कई अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां और प्रमुख भारतीय संस्थान, जैसे IIT रुड़की, IIT दिल्ली, DRDO और भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, पुल परियोजना की योजना बनाने और उसे लागू करने में अपनी विशेषज्ञता प्रदान कर रहे हैं। महत्वाकांक्षी परियोजना को कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा 1486 करोड़। रुपये की अनुमानित लागत से क्रियान्वित किया जा रहा है।

गज उत्सव 2023 - प्रोजेक्ट एलीफैंट के 30 साल पूरे होने का जश्न

भारत सरकार हाथी परियोजना की 30वीं वर्षगांठ को गज उत्सव 2023 के साथ मनाने के लिए तैयार है। इस दो दिवसीय कार्यक्रम का उद्देश्य हाथियों के संरक्षण को बढ़ावा देना, उनके आवास और गलियारों की रक्षा करना और मानव-हाथी संघर्ष को रोकना है। यह भारत में बंदी हाथियों के कल्याण को भी सुनिश्चित करेगा।

गज उत्सव 2023 का उद्घाटन 9 अप्रैल को असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा किया जाएगा। यह घटना महत्वपूर्ण है क्योंकि काजीरंगा यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल है और दुनिया में बाघों के उच्चतम घनत्व का घर है।

परियोजना हाथी: इसका महत्व

प्रोजेक्ट एलिफेंट भारत में हाथियों और उनके आवासों की रक्षा के लिए 1991-92 में शुरू की गई एक केंद्र प्रायोजित योजना है। 30,000-40,000 हाथियों की अनुमानित आबादी के साथ, भारत में वैश्विक जंगली हाथियों की आबादी का 60 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है। हाथियों को वन्य जीवन संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची I के तहत संरक्षित एक राष्ट्रीय विरासत पशु माना जाता है।

प्रोजेक्ट टाइगर की 50वीं वर्षगांठ मना रहा है

गज उत्सव के अलावा, भारत मैसूर, कर्नाटक में प्रोजेक्ट टाइगर की 50वीं वर्षगांठ भी मना रहा है। 7 अप्रैल से शुरू होने वाले इस आयोजन का उद्देश्य विश्व स्तर पर भारत की बाघ संरक्षण सफलता को प्रदर्शित करना, नवीनतम बाघ जनगणना डेटा जारी करना और बाघ संरक्षण के लिए सरकार के दृष्टिकोण को प्रस्तुत करना है।

भारत की बाघ संरक्षण सफलता

1973 में लॉन्च किया गया प्रोजेक्ट टाइगर, भारत में बाघ संरक्षण को बढ़ावा देता है। भारत के भौगोलिक क्षेत्र का लगभग 2.4 प्रतिशत बाघ अभयारण्यों से आच्छादित है, जो जैव विविधता संरक्षण के लिए भंडार के रूप में कार्य करते हैं, क्षेत्रीय जल सुरक्षा और कार्बन पृथक्करण सुनिश्चित करते हैं, और भारत के जलवायु परिवर्तन शमन लक्ष्यों को पूरा करने में योगदान करते हैं। भारत में बाघों की वर्तमान आबादी लगभग 3,000 है, जो वैश्विक जंगली बाघों की आबादी का 70 प्रतिशत से अधिक है। भारत में बाघों की आबादी छह प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से बढ़ रही है, जो वैश्विक बाघ संरक्षण के संदर्भ में महत्वपूर्ण है।

Exostoma Dhritiae - अरुणाचल प्रदेश से कैटफ़िश की नई प्रजाति

जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (ZSI) के वैज्ञानिकों की एक टीम ने हाल ही में अरुणाचल प्रदेश में कैटफ़िश की एक नई प्रजाति की खोज की है। खोज की घोषणा ZSI द्वारा एक बयान में की गई थी। नई कैटफ़िश प्रजाति को 'एक्सोस्टोमा ध्रिटिया' नाम दिया गया है।

एक्सोस्टोमा ध्रिटिया की खोज और नामकरण

नई प्रजाति अरुणाचल प्रदेश के ऊपरी सियांग जिले में सियांग नदी की एक सहायक नदी सिकिंग धारा में पाई गई थी। कैटफ़िश की इस नई प्रजाति की खोज भारत की जैव विविधता में इजाफा करती है। ZSI के वैज्ञानिकों ने देश के जीवों पर शोध में उनके योगदान के लिए सम्मान के निशान के रूप में ZSI की पहली महिला निदेशक धृति बनर्जी के नाम पर नई प्रजाति का नाम 'एक्सोस्टोमा धृतिया' रखा है।

Exostoma Dhritiae का आकार और स्थानीय नाम

नई प्रजाति इन पहाड़ियों में धाराओं में पाई जाने वाली एक छोटी मछली है और इसे स्थानीय आदिवासियों द्वारा 'नोरंग' कहा जाता है। इसकी खोज एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है क्योंकि बड़ी प्रजातियों की तुलना में नई, छोटी प्रजातियों की खोज अधिक कठिन हो सकती है। नई प्रजातियां क्षेत्र में जीवन की विविधता में इजाफा करती हैं और वैज्ञानिकों को क्षेत्र की पारिस्थितिकी को बेहतर ढंग से समझने में मदद कर सकती हैं।

अरुणाचल प्रदेश की स्थिति

अरुणाचल प्रदेश पूर्वोत्तर भारत में एक राज्य है, जो दक्षिण में असम और नागालैंड राज्यों की सीमा से लगा हुआ है और अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं को साझा करता

पश्चिम में भूटान, पूर्व में म्यांमार और उत्तर में चीन। अरुणाचल प्रदेश का स्थान इसे जैव विविधता के लिए एक आकर्षण का केंद्र बनाता है क्योंकि यह वर्षावनों, घास के मैदानों और उच्च ऊंचाई वाली पर्वत श्रृंखलाओं सहित विभिन्न प्रकार के पारिस्थितिक तंत्रों का घर है।

अनुसंधान में ZSI की भूमिका

ZSI प्राणि अनुसंधान के क्षेत्र में एक प्रमुख संगठन है और पशु वर्गीकरण और पारिस्थितिकी के विभिन्न पहलुओं पर सर्वेक्षण, अध्ययन और अनुसंधान करने के लिए जिम्मेदार है। Exostoma Dhritiae की खोज ZSI द्वारा किए जा रहे महत्वपूर्ण कार्यों का सिर्फ एक उदाहरण है।

G20 मुख्य विज्ञान सलाहकारों का गोलमेज सम्मेलन

G20 मुख्य विज्ञान सलाहकारों का गोलमेज सम्मेलन (CSAR) G20 प्रेसीडेंसी की एक महत्वपूर्ण सरकार-से-सरकार पहल है जो पेवॉल्स के पीछे मौजूद वैज्ञानिक पत्रिकाओं तक मुफ्त और सार्वभौमिक पहुंच पर विचार-विमर्श करेगी। भारत ने 1 दिसंबर, 2022 को G20 की अध्यक्षता ग्रहण की और G20 शिखर सम्मेलन 9-10 सितंबर, 2023 को नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा।

जी20 शिखर सम्मेलन के क्रम में सीएसएआर रामनगर, उत्तराखंड और बेंगलुरु में दो उच्च स्तरीय बैठकें आयोजित करेगा। भाग लेने वाले G20 राष्ट्र उन वैज्ञानिक पत्रिकाओं तक पहुंच पर चर्चा करेंगे जो निःशुल्क, तत्काल और सार्वभौमिक हैं। इसके अतिरिक्त, वे पत्रिकाओं द्वारा लगाए गए उच्च सदस्यता और लेख प्रसंस्करण शुल्क, अंतर्राष्ट्रीय रिपॉजिटरी और अभिलेखागार के साथ राष्ट्रीय रिपॉजिटरी के इंटरऑपरेबल इंटर-लिंकिंग, और सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित वैज्ञानिक अनुसंधान के ज्ञान आउटपुट को व्यापक रूप से उपलब्ध कराने के लिए एक ओपन एक्सेस जनादेश के बारे में बात करेंगे।

इसके अलावा, सीएसएआर के एजेंडे में रोग नियंत्रण और तैयारी के लिए वन हेल्थ को बढ़ावा देना, विज्ञान और प्रौद्योगिकी (एसएंडटी) में विविधता, इक्विटी, समावेश और पहुंच में सुधार करना और समावेशी, निरंतर और कार्रवाई उन्मुख वैश्विक एसएंडटी नीति संवाद के लिए एक संस्थागत तंत्र स्थापित करना है।

वैज्ञानिक पत्रिकाओं तक निःशुल्क पहुंच

अधिकांश वैज्ञानिक पेपर पाठकों से उच्च सदस्यता दर लेते हैं। 2019 में, कैलिफ़ोर्निया विश्वविद्यालय ने अकादमिक पत्रिकाओं के दुनिया के सबसे बड़े प्रकाशक एल्सेवियर को अपनी लगभग $11 मिलियन की वार्षिक सदस्यता छोड़ दी। हालांकि ओपन-एक्सेस जर्नल्स पाठकों के लिए मुफ्त हैं, लेकिन वे उन वैज्ञानिकों से शुल्क लेते हैं जो उनमें पेपर प्रकाशित करना चाहते हैं। ओपन एक्सेस पेपर्स में पेवॉल्ड आर्टिकल्स की तुलना में कम आय वाले क्षेत्रों के लीड ऑथर बहुत कम हैं।

एक स्वास्थ्य एजेंडा

भाग लेने वाले G20 राष्ट्र एक स्वास्थ्य एजेंडा के हिस्से के रूप में महामारी के लिए लचीली, अनुकूली और समय पर प्रतिक्रिया के साथ-साथ मनुष्यों, पशुधन और वन्य जीवन के लिए एकीकृत रोग निगरानी तंत्र के लिए एक महामारी की तैयारी योजना पर चर्चा करेंगे। वे बीमारियों के लिए एक रोडमैप विकसित करने और विश्लेषण क्षमता (जैसे रोग मॉडलिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन सीखने के उपकरण) और डेटा मानकों में निवेश करने के बारे में भी बात करेंगे।

अन्य सरकार-दर-सरकार पहलें

सीएसएआर के अलावा, अन्य सरकार से सरकार की पहलें जी20 का एक हिस्सा हैं। इनमें साइंस-20 (S20) और G20 रिसर्च इनोवेशन इनिशिएटिव गैदरिंग (RIIG) शामिल हैं। S20 एंगेजमेंट ग्रुप में G20 देशों की राष्ट्रीय विज्ञान अकादमियां शामिल होंगी। RIIG का उद्देश्य अनुसंधान और नवाचार के माध्यम से सामाजिक आर्थिक समानता प्राप्त करने की चुनौतियों का समाधान करना है।

वैदिक विरासत पोर्टल

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) ने हाल ही में वैदिक विरासत पोर्टल लॉन्च किया है, जो देश भर से वैदिक ज्ञान और परंपराओं का एक डिजिटल भंडार है। यह पोर्टल सात साल के प्रयास और 5 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत का परिणाम है। वैदिक विरासत पोर्टल शोधकर्ताओं और अन्य लोगों के लिए एक-स्टॉप समाधान है जो भारत की वैदिक विरासत के बारे में जानकारी चाहते हैं। इसे आईजीएनसीए के 36वें स्थापना दिवस समारोह के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय संस्कृति मंत्री जी किशन रेड्डी द्वारा लॉन्च किया गया था।

वैदिक विरासत पोर्टल भारत की वैदिक विरासत को मैप करने का एक प्रयास है। यह पोर्टल प्रकाशित पुस्तकों/पांडुलिपियों, या उपकरणों (यज्ञ से संबंधित वस्तुओं) के रूप में मौखिक परंपराओं, पाठ्य परंपरा के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करता है। पोर्टल का उद्देश्य लोगों के लिए वेदों को सुलभ बनाने और आगे की बातचीत के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए जानकारी एकत्र करना है। यह एक

डिजिटल प्लेटफॉर्म है जो 'वेदों' को संरक्षित और बढ़ावा देता है, जो संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) के अनुसार मानवता की एक अमूर्त विरासत है।

वैदिक विरासत पोर्टल पर सामग्री

18,000 से अधिक वैदिक मंत्रों से संबंधित 550 घंटे से अधिक की ऑडियो-विजुअल सामग्री वेबसाइट पर अपलोड की गई है, जिसे वेदों, वैदिक शोध संस्थानों, वेदपाठी परिवारों और दुनिया भर के विशेषज्ञों के साथ मिलकर तैयार किया गया है। वैदिक विरासत पोर्टल संस्कृत में ऑडियो सामग्री के अलावा अंग्रेजी और हिंदी के मिश्रण में उपलब्ध है। पोर्टल में आधुनिक विज्ञान के परिप्रेक्ष्य में 'वैदिक ज्ञान' की प्रासंगिकता को समझाने वाले वैज्ञानिक विषयों पर शोध लेख और व्याख्यान भी शामिल हैं।

आईजीएनसीए की भविष्य की योजनाएं

वैदिक हेरिटेज पोर्टल के अलावा, आईजीएनसीए यज्ञ में इस्तेमाल होने वाले वैदिक औजारों या बर्तनों को समर्पित एक संग्रहालय बनाने की योजना बना रहा है। संग्रहालय कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश की वैदिक परंपराओं से 250 से अधिक जहाजों का प्रदर्शन करेगा। आईजीएनसीए बृहत्तर भारत नामक एक परियोजना पर भी काम कर रहा है, जो कंबोडिया, वियतनाम, लाओस और मंगोलिया जैसे दक्षिण पूर्व एशियाई देशों सहित 40 अन्य देशों के साथ भारत के सांस्कृतिक संबंधों का पता लगाएगा।

बीएआरसी बी1201 क्या है?

भारत के भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (BARC) और नेशनल एल्युमीनियम कंपनी लिमिटेड (NALCO) ने संयुक्त रूप से BARC B1201, भारत का पहला बॉक्साइट प्रमाणित संदर्भ सामग्री (CRM) विकसित किया है। नौकाइस सीआरएम की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, खासकर जब से यह भारत में अपनी तरह की पहली और दुनिया में केवल पांचवीं है।

सीआरएम सामग्री का एक नमूना है जिसका विश्लेषण और इसकी संरचना, शुद्धता और अन्य महत्वपूर्ण विशेषताओं के लिए प्रमाणित किया गया है। यह एक ही सामग्री के अन्य नमूनों की तुलना करने के लिए मानक के रूप में प्रयोग किया जाता है, यह सुनिश्चित करता है कि विभिन्न प्रयोगशालाओं से प्राप्त परिणाम तुलनीय हैं।

नाल्को कौन है?

नाल्को, जिसे नेशनल एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड के नाम से भी जाना जाता है, एक सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी है जो खनन, धातु और बिजली में एकीकृत और विविध संचालन में माहिर है। इसके मुख्य उत्पाद एल्युमिना और एल्युमीनियम हैं, और यह भारत में इन सामग्रियों का अग्रणी निर्माता और निर्यातक है।

नाल्को केंद्रीय खान मंत्रालय के तत्वावधान में आता है। नाल्को में भारत सरकार की 51.5% इक्विटी है।

बीएआरसी क्या है?

BARC, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के लिए संक्षिप्त, भारत की प्रमुख परमाणु अनुसंधान सुविधा है। इसकी स्थापना होमी जहांगीर भाभा ने जनवरी 1954 में की थी और इसका मुख्यालय ट्रॉम्बे, मुंबई, महाराष्ट्र, भारत में है।

BARC का उद्देश्य भारत के परमाणु कार्यक्रम के लिए आवश्यक बहु-विषयक अनुसंधान कार्यक्रम संचालित करना है। यह अन्य क्षेत्रों जैसे रसायन विज्ञान, भौतिकी, इंजीनियरिंग और बायोसाइंसेस में भी शामिल है।

बीएआरसी बी1201 का शुभारंभ

Mobile No.- 8824395504, 8290664069
Mail ID-acsajaipur@gmail.com
https://t.me/ACSAJAIPUR4IAS https://www.instagram.com/acsajaipur/ https://www.facebook.com/acsajaipur

मिश्र, निदेशक (पी एंड टी), नाल्को, और डॉ. ए.सी. सहायम, प्रभाग प्रमुख, नेशनल सेंटर फॉर कंपोजिशनल कैरेक्टराइजेशन ऑफ मैटेरियल्स ने औपचारिक रूप से बीएआरसी बी1201 का शुभारंभ किया। यह प्रक्षेपण 24 मार्च 2023 को नाल्को अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र, भुवनेश्वर में हुआ।

मिशन अरीकोम्पन क्या है?

अरीकोम्बन नाम का एक जंगली हाथी इडुक्की जिले की ऊंची पहाड़ियों में तबाही मचा रहा है। अरिकोम्बन एक दुष्ट टस्कर है, जो चावल की दुकानों पर छापा मारने और अपने रास्ते में तबाही मचाने की आदत के लिए बदनाम है। पिछले कुछ वर्षों में, अरिकोम्बन ने कम से कम 10 लोगों को मौत के घाट उतार दिया और लगभग 60 घरों और दुकानों को नष्ट कर दिया। वन विभाग अरिकोम्बन को पकड़ने और उसे 'कुम्की' के रूप में प्रशिक्षित करने की योजना लेकर आया है, जो एक बंदी हाथी है जिसका इस्तेमाल दुष्ट हाथियों के खिलाफ ऑपरेशन के लिए किया जाता है।

पीपुल फॉर एनिमल्स - तिरुवनंतपुरम ने अरिकोम्बन पर कब्जा करने के वन विभाग के फैसले को चुनौती देते हुए एक याचिका दायर की। याचिकाकर्ता की दलील थी कि रेडियो-कॉलर और जंगली हाथी को जंगल के दूसरे स्थान पर छोड़ दिया जाए। वॉकिंग आई फॉर एनिमल एडवोकेसी ने दुष्ट हाथी को पकड़ने से संबंधित मामले में भी पक्षकार बनाया। हालाँकि, केरल उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने 29 मार्च तक अरिकोम्बन पर कब्जा करने के वन विभाग के फैसले पर रोक लगा दी।

मिशन अरिकोम्बन

वन विभाग ने 'मिशन अरीकोम्बन' शुरू किया है, जो दुष्ट टस्कर को पकड़ने के लिए एक अभियान है। इसे ट्रैंक्विलाइज़र शॉट्स के साथ पकड़ने और बाद में इसे एक हाथी प्रशिक्षण केंद्र में स्थानांतरित करने की योजना है। ऑपरेशन मूल रूप से 25 मार्च को शुरू होने वाला था। इस मिशन के लिए, वन विभाग ने 71 सदस्यों की एक त्वरित प्रतिक्रिया टीम बनाई है। मुख्य वन पशु चिकित्सा सर्जन अरुण जकारिया मिशन के लिए त्वरित प्रतिक्रिया दल के 11 समूहों का नेतृत्व कर रहे हैं।

अरिकोम्बन की आदतें और आहार

अरिकोम्बन का नाम चावल की दुकानों पर छापा मारने की उसकी आदत से लिया गया है। जंगली हाथी चावल, आटा और गेहूं खाना पसंद करते हैं। अरीकोम्बन को 'कुम्की' के रूप में प्रशिक्षित करने की वन विभाग की योजना का उद्देश्य अन्य दुष्ट हाथियों के खिलाफ अभियान के लिए इसका उपयोग करना है

एलवीएम3 एम3/वनवेब इंडिया - 2 मिशन

25 मार्च, 2023 को, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) और न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (NSIL) ने सफलतापूर्वक OneWeb India-2 मिशन लॉन्च किया, जो अंतरिक्ष कनेक्टिविटी में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मिशन का प्राथमिक उद्देश्य 87.4 डिग्री के झुकाव के साथ 36 उपग्रहों को 450 किमी की गोलाकार कक्षा में तैनात करना था, जिसे LVM3 रॉकेट का उपयोग करके पूरा किया गया था। इस लेख में, हम इस मिशन और वनवेब के अंतिम लक्ष्य के विवरण में तल्लीन करेंगे।

वनवेब इंडिया-2 मिशन ने LVM3 (लॉन्च व्हीकल मार्क 3) रॉकेट का उपयोग किया, जो भारत का अब तक का सबसे बड़ा रॉकेट है। LVM3 द्वारा ले जाए गए पेलोड का कुल वजन 5,805 किलोग्राम था, जिसमें 36 वनवेब उपग्रह शामिल थे। उपग्रहों को दुनिया भर में सरकारों, व्यवसायों और समुदायों को उच्च-गति, कम-विलंबता ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया था।

वनवेब का मिशन और मील के पत्थर

Mobile No.- 8824395504, 8290664069
Mail ID-acsajaipur@gmail.com
https://t.me/ACSAJAIPUR4IAS https://www.instagram.com/acsajaipur/ https://www.facebook.com/acsajaipur

वनवेब का मिशन अंतरिक्ष से संचालित वैश्विक संचार नेटवर्क के माध्यम से हर जगह, हर किसी के लिए कनेक्टिविटी प्रदान करना है। कंपनी का लक्ष्य दूरस्थ और कम सेवा वाले क्षेत्रों में सस्ती, विश्वसनीय और उच्च गति की इंटरनेट पहुंच प्रदान करके डिजिटल विभाजन को पाटना है। वनवेब इंडिया-2 मिशन इस लक्ष्य को प्राप्त करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर था, क्योंकि इसने वनवेब के समूह में उपग्रहों की कुल संख्या को 618 तक पहुंचा दिया। यह संख्या वैश्विक सेवा को सक्षम बनाती है, जिससे यह इस मील के पत्थर तक पहुंचने वाला पहला लो अर्थ ऑर्बिट (एलईओ) ऑपरेटर बन गया है। .

उपग्रह वितरण और चरण

वनवेब इंडिया-2 मिशन में नौ चरणों में उपग्रहों का वितरण शामिल था। उपग्रहों को कई घंटों में उनकी इच्छित कक्षाओं में छोड़ा गया, जिसमें प्रत्येक चरण में चार उपग्रह शामिल थे। यह दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है कि उपग्रहों को उनकी उचित स्थिति में रखा गया है, टक्करों को रोका जा रहा है और मलबे के जोखिम को कम किया जा रहा है।

वनवेब का पिछला मिशन और लॉन्च

वनवेब इंडिया -2 मिशन ने वनवेब इंडिया -1 मिशन के सफल लॉन्च के बाद, जिसने फरवरी 2022 में 36 उपग्रहों को कक्षा में तैनात किया। वनवेब इंडिया -2 मिशन ने वनवेब द्वारा आयोजित 18वें लॉन्च को चिह्नित किया। प्रत्येक लॉन्च कंपनी को हर जगह, हर किसी के लिए कनेक्टिविटी प्रदान करने के अपने मिशन को प्राप्त करने के करीब लाता है।

पहली G20 व्यापार और निवेश कार्य समूह (TIWG) की बैठक

भारत की G20 अध्यक्षता 28 से 30 मार्च, 2023 तक मुंबई में पहली व्यापार और निवेश कार्य समूह (TIWG) की बैठक आयोजित कर रही है। TIWG बैठक G20 सदस्य देशों, आमंत्रित देशों, क्षेत्रीय समूहों और अंतर्राष्ट्रीय के 100 से अधिक प्रतिनिधियों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। वैश्विक व्यापार और निवेश में तेजी लाने के बारे में चर्चा में संलग्न होने के लिए संगठन।

टीआईडब्ल्यूजी बैठक के पहले दिन, 'व्यापार वित्त' पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया, जहां व्यापार वित्त अंतर को बंद करने में बैंकों, वित्तीय संस्थानों, विकास वित्त संस्थानों और निर्यात ऋण एजेंसियों की भूमिका पर चर्चा की गई। सम्मेलन ने इस बात पर भी ध्यान केंद्रित किया कि कैसे डिजिटलीकरण और फिनटेक समाधान व्यापार वित्त तक पहुंच में सुधार कर सकते हैं। बढ़ते व्यापार वित्त अंतर को कम करने के लिए ठोस समाधान प्रदान करने के लिए भारत और विदेश के प्रतिष्ठित वक्ताओं को आमंत्रित किया गया है।

अनुभव क्षेत्र और प्रदर्शनियां

सम्मेलन स्थल पर, मसाले, बाजरा, चाय और कॉफी पर अनुभव क्षेत्रों की एक विस्तृत श्रृंखलासेटअप किया गया। इसके अतिरिक्त, टीआईडब्ल्यूजी बैठक के दौरान वस्त्रों पर एक प्रदर्शनी भी प्रदर्शित की गई थी। बैठक के पहले दिन G20 प्रतिनिधियों ने भारत डायमंड बोर्स का दौरा किया।

विकास और समृद्धि के लिए व्यापार कार्य करना

29 मार्च को TIWG की बैठक का फोकस विकास और समृद्धि के लिए व्यापार कार्य करने और लचीली वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं (GVCs) के निर्माण पर होगा। विकास को समावेशी और लचीला बनाने, जीवीसी में विकासशील देशों और वैश्विक दक्षिण की भागीदारी बढ़ाने और भविष्य के झटकों का सामना करने के लिए लचीले जीवीसी के निर्माण के लिए साझा परिणामों को साकार करने पर प्रकाश डाला जाएगा।

उद्घाटन और बंद-द्वार सत्र

29 और 30 मार्च को बंद कमरे में बंद चार तकनीकी सत्रों में, वैश्विक व्यापार और निवेश से संबंधित प्राथमिकताओं पर चर्चा की जाएगी, जिसे भारतीय राष्ट्रपति अपना रहे हैं।

वैश्विक व्यापार और कुशल रसद निर्माण में एमएसएमई को एकीकृत करना

30 मार्च को, दो कार्य सत्र एमएसएमई को वैश्विक व्यापार में एकीकृत करने और व्यापार के लिए कुशल रसद के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करेंगे। विकसित और विकासशील दोनों देशों में एमएसएमई की आजीविका को बनाए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए, भारतीय प्रेसीडेंसी वैश्विक व्यापार में एमएसएमई के एकीकरण को सुनिश्चित करने के लिए पिछले जी20 प्रेसीडेंसी के प्रयासों को आगे बढ़ाना चाहती है। मजबूत लॉजिस्टिक इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा, जो सीमाओं के पार और भीतरी इलाकों में लेनदेन की लागत को कम कर सकता है।

एक साझा समझ का निर्माण

भारत के G20 प्रेसीडेंसी के तहत उद्देश्य वैश्विक व्यापार और निवेश को गति देने में आने वाली चुनौतियों की साझा समझ बनाना है। टीआईडब्ल्यूजी बैठक प्रतिनिधियों को मौजूदा अवसरों पर विचार-विमर्श करने का अवसर प्रदान करती है जिसका उपयोग मानव-केंद्रित ठोस परिणामों और डिलिवरेबल्स को तैयार करने के लिए किया जा सकता है।

पहला अर्बन क्लाइमेट फिल्म फेस्टिवल

शहरी मामलों का राष्ट्रीय संस्थान (एनआईयूए), आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के तहत एक केंद्रीय स्वायत्त निकाय, सीआईटीआईआईएस कार्यक्रम के तहत शहरी जलवायु फिल्म महोत्सव का आयोजन कर रहा है। त्योहार का उद्देश्य शहरों में जीवन पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के बारे में व्यापक जागरूकता पैदा करना और सतत शहरी विकास पर संवाद में जनता को शामिल करना है।

अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और चयनित फिल्मों का समर्थन करना

फ्रांसीसी विकास एजेंसी (एएफडी) और यूरोपीय संघ ने त्योहार के लिए समर्थन प्रदान किया, जिसने 20 से अधिक देशों से फिल्में प्राप्त की हैं। एक जूरी ने 27 फिल्मों को शॉर्टलिस्ट किया और 11 को फेस्टिवल में दिखाने के लिए चुना गया।

पांच शहरों में स्क्रीनिंग

चयनित फिल्मों को पांच शहरों में प्रदर्शित किया जाएगा, जिससे व्यापक दर्शक उत्सव के संदेश से जुड़ सकेंगे। यह त्योहार न केवल जलवायु परिवर्तन और सतत शहरी विकास के बारे में जागरूकता बढ़ाएगा बल्कि लोगों को कार्रवाई करने के लिए प्रेरित भी करेगा।

CITIIS प्रोग्राम और सस्टेनेबल अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स

CITIIS कार्यक्रम का उद्देश्य भारत में 12 स्मार्ट शहरों को नवाचार-संचालित और टिकाऊ शहरी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को लागू करने में सहायता करना है। CITIIS कार्यक्रम के तहत शहरी जलवायु फिल्म महोत्सव का आयोजन करके, NIUA शहरी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए कार्यक्रम के दृष्टिकोण को बढ़ावा दे रहा है।

शहरी मामलों के राष्ट्रीय संस्थान

शहरी मामलों का राष्ट्रीय संस्थान आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के तहत एक केंद्रीय स्वायत्त निकाय है जो शहरी विकास के क्षेत्र में बहु-अनुशासनात्मक अनुसंधान, नीति नियोजन और वकालत करता है। भारत में सतत शहरी विकास को बढ़ावा देने के लिए एनआईयूए का काम महत्वपूर्ण है।

U20 और G20 का अर्बन एंगेजमेंट ग्रुप

U20 G20 का शहरी जुड़ाव समूह है। यह जलवायु परिवर्तन, शहरी बुनियादी ढांचे और सामाजिक समावेशन जैसे वैश्विक मुद्दों के लिए नीतियां और समाधान विकसित करने के लिए दुनिया के सबसे बड़े शहरों के महापौरों को एक साथ लाता है। एनआईयूए द्वारा आयोजित शहरी जलवायु फिल्म महोत्सव सतत शहरी विकास को सक्षम करने के यू20 के उद्देश्य के अनुरूप है।

सार्वभौमिक स्वीकृति दिवस

इंटरनेट आधुनिक समाज का एक मूलभूत हिस्सा बन गया है, जो दुनिया के विभिन्न हिस्सों के लोगों को जोड़ता है। दुनिया भर में लगभग पाँच बिलियन उपयोगकर्ताओं के साथ, इंटरनेट ने संचार और वाणिज्य में क्रांति ला दी है, और यह सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बन गया है। हालांकि, सभी उपयोगकर्ता इंटरनेट की पूरी क्षमता का अनुभव नहीं करते हैं, विशेष रूप से वे जो अंग्रेजी नहीं बोलते हैं या गैर-लैटिन लिपियों का उपयोग करते हैं। इस मुद्दे को हल करने के लिए, इंटरनेट कॉर्पोरेशन फॉर असाइन्ड नेम्स एंड नंबर्स (ICANN) और यूनिवर्सल एक्सेप्टेंस स्टीयरिंग ग्रुप (UASG) ने यूनिवर्सल एक्सेप्टेंस (UA) डे पेश किया है। यूए जागरूकता को बढ़ावा देने और प्रमुख हितधारकों के बीच यूए अपनाने को प्रोत्साहित करने के लिए हर 28 मार्च को यूए दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य एक समावेशी इंटरनेट बनाना है जो भाषाओं और लिपियों की एक विस्तृत श्रृंखला का समर्थन करता है। UA दिवस का उद्घाटन संस्करण 2023 में मनाया गया था।

सार्वभौमिक स्वीकृति क्या है?

सार्वभौमिक स्वीकृति एक तकनीकी आवश्यकता है जो सुनिश्चित करती है कि सभी वैध डोमेन नाम और ईमेल पते, स्क्रिप्ट, भाषा या वर्ण की लंबाई की परवाह किए बिना, सभी इंटरनेट-सक्षम एप्लिकेशन, डिवाइस और सिस्टम द्वारा समान रूप से उपयोग किए जा सकते हैं। UA गैर-अंग्रेज़ी भाषी देशों के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह सुनिश्चित करता है कि हर किसी के पास अपने चुने हुए डोमेन नाम और ईमेल पते का उपयोग करके इंटरनेट की पूर्ण सामाजिक और आर्थिक शक्ति का अनुभव करने की क्षमता है जो उनकी रुचियों, व्यवसाय, संस्कृति, भाषा और लिखी हुई कहानी।

डोमेन नाम प्रणाली का विस्तार करना

डोमेन नेम सिस्टम (डीएनएस) एक ऐसी प्रणाली है जो डोमेन नामों को आईपी पतों में अनुवादित करती है। हाल के वर्षों में, डीएनएस ने नए सामान्य शीर्ष-स्तरीय डोमेन (जैसे, .photography, .technology), अंतर्राष्ट्रीय डोमेन नाम (जैसे, मेवाई.सरकार.भारत, صحة.مصر) और कंट्री कोड टॉप-लेवल के साथ विस्तार किया है। डोमेन (जैसे, .भारत)। हालाँकि, डोमेन नाम और ईमेल पतों को मान्य करने के लिए उपयोग किए जाने वाले कई सॉफ़्टवेयर एप्लिकेशन पुराने हैं, जो UA अपनाने में बाधा डालते हैं।

भारत के लिए यूए का महत्व

बहुभाषी इंटरनेट यूजर इंटरफेस के निर्माण के साथ मौजूदा डिजिटल डिवाइड को हटाया जा सकता है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) के तत्वावधान में एक गैर-लाभकारी कंपनी, नेशनल इंटरनेट एक्सचेंज ऑफ़ इंडिया (NIXI), भारत में UA अपनाने के महत्व को पहचानती है। यूए के माध्यम से, भारत का लक्ष्य अतिरिक्त 500 मिलियन ब्रॉडबैंड उपयोगकर्ताओं को लाना है। यह डिजिटल अर्थव्यवस्था में मूल्य जोड़ने, स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा देने और देश में रोजगार के अवसर पैदा करने में मदद करेगा। डिजिटल समावेशन के लिए यूए को बढ़ावा देने के लिए भारत को इस वर्ष ध्वजवाहक के रूप में चुना गया है।

वसंत पर्व 2023

नई दिल्ली, भारत में नेशनल गैलरी ऑफ़ मॉडर्न आर्ट (NGMA), 2023 में अपनी पहली "वसंत पर्व" घटना के साथ अपनी 69 वीं वर्षगांठ मना रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय रूप से निर्मित, दस्तकारी और क्यूरेटेड उत्पादों को प्रदर्शित करना और बढ़ावा देना है संग्रहालय से जुड़ने के लिए आगंतुकों के लिए एक इंटरैक्टिव अनुभव।

एनजीएमए का उद्घाटन 29 मार्च, 1954 को उपराष्ट्रपति डॉ. एस राधाकृष्णन द्वारा किया गया था और तब से यह भारत में एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक संस्थान बन गया है।

50 से ज्यादा स्टॉल लगेंगे

"स्प्रिंग फिएस्टा" कार्यक्रम में, संग्रहालय के लॉन में 50 से अधिक स्टॉल लगाए जाएंगे, जिसमें विभिन्न पृष्ठभूमि के व्यक्ति शामिल होंगे, जो हस्तशिल्प, चीनी मिट्टी की चीज़ें, स्वदेशी कला, फैशन और अन्य क्षेत्रों में विशेषज्ञ हैं। यह कार्यक्रम इन उत्साही प्रतिभागियों को मामूली कीमतों पर अपने रचनात्मक उत्पादों को प्रदर्शित करने और बेचने का अवसर प्रदान करेगा।

खरीद के लिए रचनात्मक उत्पाद

"स्प्रिंग फिएस्टा" इवेंट खरीद के लिए उपलब्ध रचनात्मक उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ अपने दर्शकों को लुभाने का वादा करता है। आगंतुक स्थानीय रूप से बने उत्पादों का पता लगा सकते हैं और खरीद सकते हैं जो भारतीय संस्कृति के लिए अद्वितीय हैं, जिनमें हस्तशिल्प, चीनी मिट्टी की चीज़ें और स्वदेशी कला शामिल हैं।

आगंतुकों के लिए इंटरएक्टिव सत्र

स्टालों के अलावा, एनजीएमए ने आगंतुकों को शामिल करने और उन्हें अपने कलात्मक कौशल को कैनवास पर प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करने के लिए एक स्केचिंग और पेंटिंग सत्र की भी योजना बनाई है। यह इंटरैक्टिव सत्र कला के प्रति उत्साही, कलाकारों और कला से प्यार करने वाले बच्चों के लिए एकदम सही है।

3-डी मैपिंग प्रोजेक्शन

घटना के अंत से पहले कला खजाने पर 3-डी मानचित्रण प्रक्षेपण प्रदर्शित किया जाएगा। आगंतुकों के लिए कला को नए आयाम में देखने का यह एक अनूठा अनुभव होगा।

संगीत और प्रदर्शन अधिनियम

इस आयोजन का एक अन्य आकर्षण पारंपरिक और समकालीन कलाकारों द्वारा संगीतमय और प्रदर्शन कार्य होंगे। यह उत्सव के माहौल में इजाफा करेगा और आगंतुकों को कला और संस्कृति के विभिन्न रूपों का अनुभव करने का अवसर प्रदान करेगा।

शिक्षा और अनुसंधान विभाग

एनजीएमए का शिक्षा और अनुसंधान विभाग आगंतुकों को एक इंटरैक्टिव अनुभव प्रदान करने के लिए लगातार विचारों पर विचार कर रहा है और परियोजनाओं पर काम कर रहा है। इस विभाग का उद्देश्य संग्रहालय के आगंतुकों के साथ और अधिक जुड़ना, अधिक स्थायी यादें बनाना और स्थानीय रूप से निर्मित, दस्तकारी और क्यूरेटेड उत्पादों में रुचि पैदा करना है।

बसंत पर्व का महत्व

"स्प्रिंग फिएस्टा" कार्यक्रम के माध्यम से, विभिन्न पृष्ठभूमि के व्यक्तियों के पास अपना काम प्रदर्शित करने, प्रदर्शन बढ़ाने और अपने रचनात्मक उत्पादों में रुचि पैदा करने के लिए एक मंच होगा। यह आयोजन न केवल भारत की संस्कृति को बढ़ावा देगा बल्कि आगंतुकों को संग्रहालय और इसके समृद्ध इतिहास से जुड़ने का अवसर भी प्रदान करेगा।

Mobile No.- 8824395504, 8290664069
Mail ID-acsajaipur@gmail.com

Mobile No.- 8824395504, 8290664069
Mail ID-acsajaipur@gmail.com
https://t.me/ACSAJAIPUR4IAS https://www.instagram.com/acsajaipur/ **https://www.facebook.com/acsajaipur**